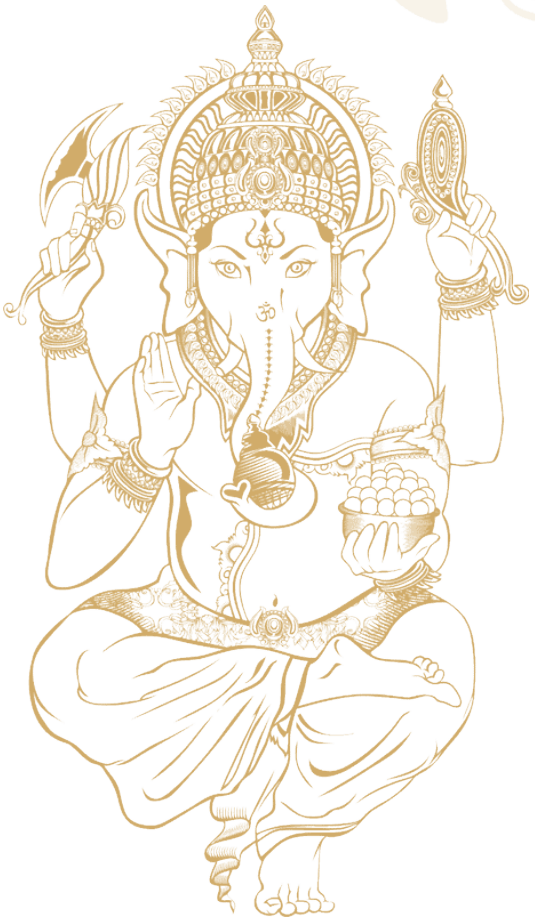

Mr. Chaitany kumar kamlapuri

02 Jul 2015

10:51 AM

Dibrugarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121368404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/07/2015**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:51:00 घंटे**
इष्ट	16:10:24 घटी
स्थान	**Dibrugarh**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	27:29:00 उत्तर
रेखांश	94:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:49:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:40:44 घंटे
वेलान्तर	-00:03:57 घंटे
साम्पातिक काल	06:20:29 घंटे
सूर्योदय	04:22:50 घंटे
सूर्यास्त	18:09:20 घंटे
दिनमान	13:46:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:58:03 मिथुन
लग्न के अंश	10:28:47 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:28:47	320:51:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	15:58:03	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			धनु	17:36:46	14:01:48	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	11:04:19	00:40:10	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृष	25:23:58	01:24:41	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	27:43:05	00:11:13	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	28:08:44	00:39:20	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	04:57:25	00:02:47	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	10:54:03	00:11:51	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	10:54:03	00:11:51	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	26:11:29	00:01:10	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	15:38:19	00:00:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	20:17:55	00:01:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	10:37:35	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:27

लग्न-चलित

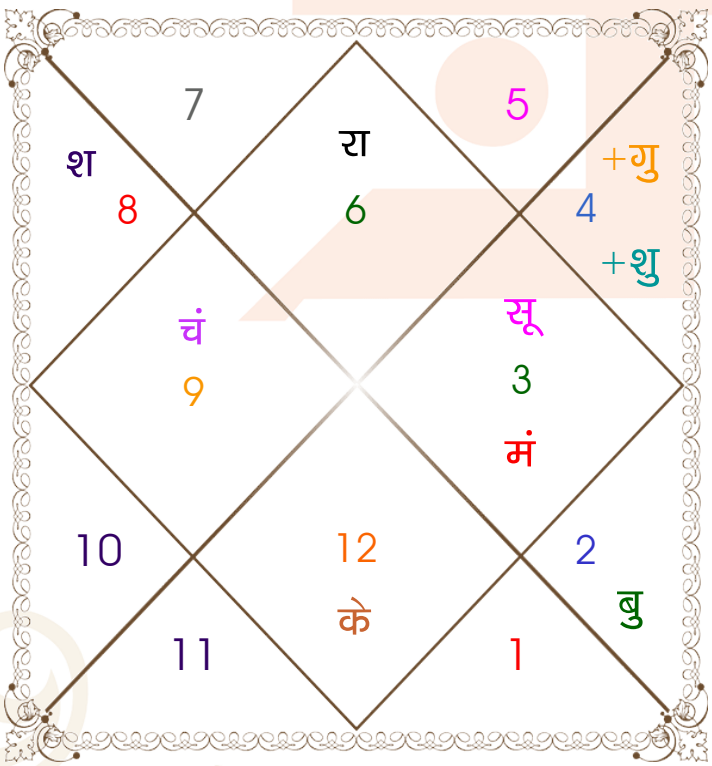

चन्द्र कुंडली

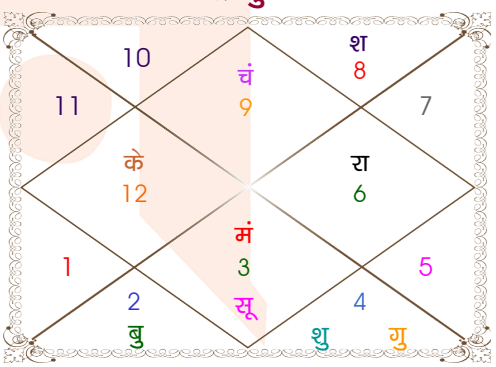

नवमांश कुंडली

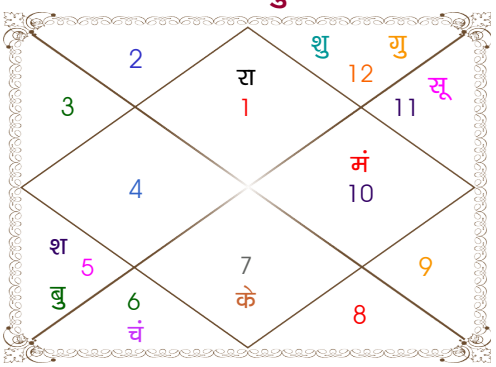

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 6 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/07/2015		29/01/2029		30/01/2035		29/01/2045		30/01/2052	
29/01/2029		30/01/2035		29/01/2045		30/01/2052		30/01/2070	
	00/00/0000	सूर्य	19/05/2029	चंद्र	30/11/2035	मंगल	28/06/2045	राहु	12/10/2054
	00/00/0000	चंद्र	18/11/2029	मंगल	30/06/2036	राहु	16/07/2046	गुरु	07/03/2057
	02/07/2015	मंगल	25/03/2030	राहु	30/12/2037	गुरु	22/06/2047	शनि	12/01/2060
मंगल	31/03/2016	राहु	17/02/2031	गुरु	01/05/2039	शनि	31/07/2048	बुध	31/07/2062
राहु	01/04/2019	गुरु	06/12/2031	शनि	29/11/2040	बुध	28/07/2049	केतु	19/08/2063
गुरु	30/11/2021	शनि	17/11/2032	बुध	01/05/2042	केतु	24/12/2049	शुक्र	19/08/2066
शनि	29/01/2025	बुध	24/09/2033	केतु	30/11/2042	शुक्र	23/02/2051	सूर्य	13/07/2067
बुध	30/11/2027	केतु	30/01/2034	शुक्र	31/07/2044	सूर्य	01/07/2051	चंद्र	11/01/2069
केतु	29/01/2029	शुक्र	30/01/2035	सूर्य	29/01/2045	चंद्र	30/01/2052	मंगल	30/01/2070

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/01/2070		30/01/2086		30/01/2105		31/01/2122		30/01/2129	
30/01/2086		30/01/2105		31/01/2122		30/01/2129		00/00/0000	
गुरु	19/03/2072	शनि	01/02/2089	बुध	29/06/2107	केतु	29/06/2122	शुक्र	01/06/2132
शनि	30/09/2074	बुध	13/10/2091	केतु	25/06/2108	शुक्र	29/08/2123	सूर्य	01/06/2133
बुध	05/01/2077	केतु	20/11/2092	शुक्र	26/04/2111	सूर्य	04/01/2124	चंद्र	31/01/2135
केतु	12/12/2077	शुक्र	21/01/2096	सूर्य	02/03/2112	चंद्र	04/08/2124	मंगल	03/07/2135
शुक्र	12/08/2080	सूर्य	02/01/2097	चंद्र	01/08/2113	मंगल	31/12/2124		00/00/0000
सूर्य	31/05/2081	चंद्र	03/08/2098	मंगल	29/07/2114	राहु	18/01/2126		00/00/0000
चंद्र	30/09/2082	मंगल	12/09/2099	राहु	15/02/2117	गुरु	25/12/2126		00/00/0000
मंगल	06/09/2083	राहु	20/07/2102	गुरु	23/05/2119	शनि	03/02/2128		00/00/0000
राहु	30/01/2086	गुरु	30/01/2105	शनि	31/01/2122	बुध	30/01/2129		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।